गत 2 वर्ष में 7.20 लाख श्रमिकों को 804 करोड़ की सहायता दी- भजनलाल

राज्य की योजनाओं में श्रमिकों के बच्चों को 8 से 25 हजार रूपए की छात्रवृत्ति दी जाती है

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- श्रमिकों के जीवन को सुरक्षित बनाने के लिए निर्माण श्रमिक जीवन व भविष्य सुरक्षा योजना में प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, पीएम जीवन ज्योति योजना तथा अटल पेंशन योजना से लाभांवित करने के लिए उनके अंशदान का आंशिक व पूर्ण पुनर्भरण किया जाता है।

जयपुर, 10 नवम्बर। श्रमिक वर्ग किसी भी देश या प्रदेश के विकास में विश्वकर्मा की भूमिका निभाता है। उनके कठोर परिश्रम से ही समाज और राष्ट्र की प्रगति का ढ ंचा तैयार होता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का मानना है कि श्रमिकों की सुरक्षा और उनका गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल होना चाहिए। इसी लक्ष्य के तहत, वर्तमान सरकार के कार्यकाल में विभिन्न श्रमिक कल्याण योजनाओं के माध्यम से विगत 2 वर्षों में ही 7 लाख 20 हजार से अधिक पात्र श्रमिकों को 804 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता दी जा चुकी है। विभिन्न राज्य स्तरीय कार्यक्रमों में555 करोड रुपए से अधिक की राशि पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को डीबीटी के माध्यम से दी गयी है।

राज्य सरकार द्वारा संचालित निर्माण श्रमिक शिक्षा व कौशल विकास योजना में निर्माण श्रमिकों के बच्चों को शिक्षा व कौशल विकास के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से छात्रवृत्ति दी जाती है। इसके तहत, कक्षा 6 से आगे की पढ़ ाई के लिए 8 हजार रूपये से लेकर 25 हजार रुपए तक की छात्रवृत्ति दी जाती है। साथ ही, 8 वीं कक्षा से आगे अध्ययनरत मेधावी छात्र-छात्राओं को 4 हजार रूपये से लेकर 35 हजार रूपये तक की अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि दी जाती है।

राज्य सरकार ने श्रमिक वर्ग के जीवन को सुरक्षित बनाने की दिशा में उनके लिए संचालित निर्माण श्रमिक जीवन व भविष्य सुरक्षा योजना में प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना तथा अटल पेंशन योजना से उन्हें लाभान्वित करने के लिए उनके अंशदान का आंशिक व पूर्ण पुनर्भरण किया।

श्रमिकों के जीवन व सामाजिक स्तर में सुधार के लिए राज्य सरकार ने उनके पूरे परिवार को आत्मनिर्भर बनाने का प्रण लिया है। इसी उद्देश्य से उनके बच्चों को भारतीय प्रशासनिक सेवाओं की प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करने पर एक लाख तथा राजस्थान प्रशासनिक सेवा की प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करने 50 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। इस योजना के तहत विगत दो वर्षों में 80 लोगों को 40 लाख रुपए की सहायता दी जा चुकी है। साथ ही आईटीआईआईएम में प्रवेश मिलने पर भी ट्यूशन फीस का पुनर्भरण सरकार द्वारा किया जाता है। श्रमिकों एवं उनके बच्चों को अंतर्राष्ट्रीय खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए भी राज्य सरकार ने अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता योजना संचालित की है। इसके तहत अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने पर 2 लाख, कांस्य पदक जीतने पर 5 लाख, रजत पदक हासिल करने पर 8 लाख और स्वर्ण पदक प्राप्त करने पर 11 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। विगत 2 वर्षों में इन योजनाओं में अभूतपूर्व कार्य कर श्रमिकों के जीवन के हर पड़ाव पर उनका साथ दिया जा रहा है।

तहसीलदार बताए 15 दिन में, रिपोर्ट कैसे बदली

- हाई कोर्ट ने फुलेरा में रिसॉर्ट के लिए भूमि रिपोर्ट पर जवाब तलब किया।

जयपुर, 10 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने फुलेरा में रिसोर्ट के लिए जमीन आवंटन करने से जुड़े मामले में स्थानीय तहसीलदार को 24 नवंबर को पेश होने को कहा है। अदालत ने तहसीलदार से पूछा है कि एक रिपोर्ट में संबंधित भूमि को पहाड़ और नाला क्षेत्र की बताने के बाद पन्द्रह दिन में ही उसे कैसे बदल दिया गया। अदालत ने मामले में मुख्य सचिव, प्रमुख राजस्व सचिव, जयपुर कलेक्टर और तहसीलदार सहित अन्य से जवाब तलब किया है। वहीं, अदालत ने मामले में कलेक्टर को अपना शपथ पत्र पेश करने को भी कहा है। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस बीएस संधू की खंडपीठ ने ये आदेश लालाराम गुर्जर व अन्य की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता निखिल सैनी ने अदालत को बताया कि राइजिंग राजस्थान के तहत फुलेरा में रिसोर्ट निर्माण के लिए निजी पक्षकार ने राज्य सरकार से एमओयू किया था। स्थानीय तहसीलदार ने गत 17 जून को एक रिपोर्ट तैयार कर कहा कि आवंटित की जाने वाली भूमि पहाड़ी भूमि है और वहाँ नाला भी बहता है। ऐसे में इसे आवंटित नहीं किया जा सकता।

याचिका में कहा गया कि इसके कुछ दिन बाद 30 जून को तहसीलदार ने अपनी दूसरी रिपोर्ट में माना कि जमीन को आवंटित किया जा सकता है। वहीं तहसीलदार ने अपनी पूर्व की रिपोर्ट से पहाड़ी भूमि को लेकर कही बात को भी हटा दिया।

''डिजिटल गिरफ्तारी'' से 3000 करोड़ की उगाही से सुप्रीम कोर्ट चिन्तित

उच्चतम न्यायालय की डबल बेंच ने मामले को सख्ती से निपटाने के संकेत दिये

- अदालत ने कहा कि भारत के भीतर और बाहर सक्रिय परिष्कृत घोटाला नेटवर्क से जनता की रक्षा के लिये एक मजबूत तंत्र की तुरंत आवश्यकता है।

नयी दिल्ली, 10 नवंबर। उच्चतम न्यायालय ने तथाकथित ''डिजिटल गिरफ्तारी'' से जुड़े साइबर धोखाधड़ी के बढ ते मामलों पर सोमवार को गहरी चिंता व्यक्त की और कहा कि इस तरह के घोटालों के ज़रिए नागरिकों से लगभग 3,000 करोड़ रुपये की उगाही की गई है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने टिप्पणी की कि अदालत में बताए गए आंकड़े ''चौंकाने वाले'' हैं और न्यायपालिका इस मामले से ''सख्ती से'' निपटेगी।

पीठ ने इस खतरे पर अंकुश लगाने और भारत के भीतर और बाहर सक्रिय परिष्कृत घोटाला नेटवर्क से जनता की रक्षा के लिए एक मज़बूत तंत्र की तत्काल आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

अदालत सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड एसोसिएशन (एससीएओआरए) की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें डिजिटल गिरफ्तारी घोटालों पर स्वत: संज्ञान कार्यवाही में हस्तक्षेप की माँग की गई थी।

एससीएओआरए ने अदालत से पुलिस बलों, बैंकों, साइबर सेल और वित्तीय मध्यस्थों के लिए एक राष्ट्रव्यापी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने का आग्रह किया है ताकि डिजिटल गिरफ्तारी धोखाधड़ी के मामलों को समान रूप से निपटाया जा सके। पीठ ने केंद्र सरकार से जवाब माँगा है और संकेत दिया है कि इस मामले पर विस्तृत विचार किया जाएगा।

खड़गे, राहुल ने दिल्ली विस्फोट पर गहरी संवेदना जताई

नयी दिल्ली, 10 नवंबर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को दिल्ली विस्फोट की घटना पर गहन संवदेना जतायी।

खरगे ने कहा , '' दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए कार विस्फोट की खबर सुनकर बेहद दुख हुआ। शुरुआती रिपोर्टों से पता चला है कि इस घटना में कई अनमोल जानें गई हैं। इस दु:ख की घड़ी में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। हम घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं।''

उन्होंने आगे कहा कि सरकार को इस विस्फोट की शीघ्र एवं गहन जाँच सुनिश्चित करनी चाहिए, जो एक उच्च सुरक्षा और अक्सर भीड़-भाड़ वाली जगह पर हुआ है, ताकि इस चूक और घटना के लिए ज़िम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जा सके। गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा , ''दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए कार विस्फोट की ख़बर बेहद दर्दनाक और चिंताजनक है। इस दुखद हादसे में कई निर्दोष लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। इस दुख की घड़ी में अपने प्रियजनों को खोने वाले शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़ा हूं और उनको अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। सभी घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की आशा करता हूं।''

दिल्ली विस्फोट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एफएसएल के साथ जांच शुरू कर चुकी हैं। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आसपास के सभी सीसीटीवी कैमरों की जांच के आदेश दे दिये गये हैं।

वहीं शाह ने सोमवार देर रात घटनास्थल का दौरा किया और वे मंगलवार सुबह गृह मंत्रालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक में इस पर चर्चा करेंगे।

शाह ने कहा कि घटना किस कारण से हुई अभी यह कहना बडा मुश्किकल है। इसकी हर पहलू से जांच करेंगे। घटनास्थल से जो नमूने मिलेंगे जब तक एनएसजी और एफएसएल इसका विश्लेषण नहीं करते इसके बारे में कुछ भी कहना मुश्किल है। मगर हम हर पहलू से दृढ ता के साथ इसकी जांच करेंगे।उन्होंने कहा कि धमाके का कारण क्या है ,हमारी एजेन्सियां जल्दी ही जांच के बाद नतीजे पर पहुंचेंगी । प्रधानमंत्री जी का भी फोन आया था और मैंने उन्हें भी घटना से अवगत कराया है।

शाह ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ घटनास्थल का दौरा कर वहां का मुआयना किया। इससे पहले वह लोक नायक जयप्रकाश अस्पताल जाकर घायलों से मिले और उनका हाल चाल जाना। उन्होंने अस्पताल के डाक्टरों के साथ बातचीत कर घायलों के उपचार के बारे में जानकारी ली।

उन्होंने डाक्टरों और पुलिस अधिकारियों के साथ अस्पताल में एक बैठक भी की।

दो कश्मीरी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पता चला कि पोस्टर अदील अहमद राथर ने लगाए थे।

उसे ट्रैक कर उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से गिरफ्तार किया गया। जांच में पता चला कि राथर पिछले वर्ष अक्टूबर तक अनंतनाग के सरकारी मेडिकल कॉलेज में कार्यरत था। उसके लॉकर की तलाशी में एक असॉल्ट राइफल मिली। पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने मुजम्मिल शकील तक पहुंच बनाई और फिर फरीदाबाद से भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किया।

त्रिशूल अभ्यास में तीनों सेनाओं ने शानदार तालमेल का प्रदर्शन किया

इस अभ्यास में थलसेना, नौसेना व वायुसेना के 30 हजार अधिकारियों व सैनिकों ने भाग लिया

- तीनों सेनाओं के साथ तटरक्षक बल, सीमा सुरक्षा बल और अन्य केन्द्रीय एजेन्सियों की भागीदारी ने एकजुटता, आत्म निर्भरता नवाचार का उदाहरण प्रस्तुत किया।

नयी दिल्ली, 10 नवम्बर। भारत में तीनों सेनाओं के अब तक के सबसे बड़े सैन्य अभ्यास त्रिशूल में सेनाओं के बीच बेजोड़ तालमेल, अंतरसंचालन और साझा शक्ति की क्षमता का नमूना देखने को मिला।

नौसेना ने सोमवार को बताया कि राजस्थान, गुजरात और उत्तरी अरब सागर में हुए इस संयुक्त अभ्यास में सेना, नौसेना और वायु सेना के 30 हजार से ज़्यादा अधिकारियों तथा सैनिकों ने अपने जौहर दिखाए। अभ्यास में वायु सेना के 40 से ज़्यादा विमानों और सहायक ग्राउंड सिस्टम, और तीनों सेवाओं के स्वदेशी हथियारों तथा प्लेटफॉर्म ने हिस्सा लिया। इसके अलावा तटरक्षक बल, सीमा सुरक्षा बल और अन्य केंद्रीय एजेंसियों की भागीदारी ने अंतर-एजेंसी समन्वय को और मज़बूत किया।

अभ्यास के दौरान सेना ने रण और क्रीक सेक्टर में अभ्यास ब्रह्मशिरा भी किया जिसमें तीनों सेवाओं, भारतीय तटरक्षक बल और सीमा सुरक्षा बल को नागरिक प्रशासन के साथ सहज समन्वय में एक साथ लाकर जमीन, समुद्र और हवा में एकीकृत क्षमताओं को प्रमाणित किया गया।

अभ्यास में सेना की एक दशक लंबी परिवर्तन की यात्रा की झलक देखने को मिली जिसमें अत्याधुनिक संयुक्त नियंत्रण केंद्र और बहु-डोमेन संचालन के लिए जरूरी मजबूत संचालन बुनियादी ढ ंचा शामिल था। इसमें नई संरचनाओं, उन्नत प्रौद्योगिकियों और बदलती परिस्थितियों में युद्ध क्षमताओं का भी प्रदर्शन किया गया।

सुप्रीम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मानक और भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के उपायों की समीक्षा करने का निर्णय लिया है।

सीतारमण ने अर्थशास्त्रियों और कृषि संगठनों के साथ परामर्श किया

वर्ष 2026-27 के बजट की तैयारियों के संदर्भ में केन्द्रीय वित्त मंत्री विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर रही हैं

- इस बार बजट की तैयारी ऐसे माहौल में हो रही है जो भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं से घिरा हुआ है। अमेरिका ने भारत के निर्यात पर भारी टैरिफ लगा रखा है।

नयी दिल्ली, 10 नवंबर। वित्त एवं कार्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने आगामी वर्ष 2026-27 के बजट प्रस्तावों की तैयारियों सिलसिले में सोमवार को प्रमुख अर्थशास्त्रियों और किसान संघों तथा कृषि अर्थशास्त्रियों के साथ दो अलग अलग बैठकें की।

वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इन बैठकों की जानकारी देते हुए कहा, अर्थशास्त्रियों के साथ हुई पहली बैठक में वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के सचिव , सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार और आर्थिक विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। किसान संघों और कृषि अर्थशास्त्रियों के साथ बैठक में कृषि मंत्रालय और वित्त मंत्रालय के आर्थिक विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।(सीतारमण अगले वित्त वर्ष का बजट अगले साल पहली फरवरी को पेश कर सकती हैं। हर केंद्रीय वित्त मंत्री हर बजट की तैयारी से पहले अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ परामर्श करते हैं।

अगले बजट की तैयारी ऐसे समय हो रही है जबकि दुनिया भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं से घिरी है और अमेरिका ने अगस्त से भारत के मामले में 50 प्रतिशत का भारी शुल्क लगा रखा है।

इस बीच घरेलू अर्थव्यवस्था में उपभोक्ता और निवेश मांग बढ ाने वाले एक ऐतिहासिक कदम के रूप में सितंबर में सीतारमण की अध्यक्षता में माल एवं सेवा कर परिषद (जीएसटी परिषद) ने जीएसटी में बड़े सुधार का निर्णय लिया जिससे 22 सितंबर में जीएसटी में अब मुख्यत: पांच और 12 प्रतिशत की दो प्रमुख दरें रह गयी हैं और 90 प्रतिशत से अधिक वस्तुओं पर कर भार कम हो गया है। अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था 6.3-6.8 प्रतिशत के बीच बढ ेगी। अगले बजट में वित्त मंत्री के समक्ष राजकोषीय मजबूती के रास्ते पर बने रहते हुए आर्थिक वृद्धि की दर को उच्च स्तर पर बनाये रखना है।

दिल्ली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रिकॉर्डिंग का सावधानीपूर्वक विश्लेषण कर रहे हैं और विस्फोट के समय आसपास के क्षेत्र में सक्रिय मोबाइल फोन का डंप डेटा एकत्र किया है। अधिकारी प्रत्यक्षदर्शियों के बयान भी दर्ज कर रहे हैं।

पुलिस ने बिहार जा रहा शराब का ट्रक पकड़ा

- इस शराब को बिहार चुनाव के दूसरे चरण से पहले खपाने की तैयारी थी।

कोडरमा, 10 नवम्बर। झारखंड के कोडरमा जिले के मेघातरी चेक पोस्ट पर सोमवार सुबह पुलिस ने शराब से लदे एक ट्रक को जब्त किया।

कोडरमा एसपी अनुदीप सिंह को मिली गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई हुई है।

सिंह को सूचना मिली थी कि कोडरमा की ओर से शराब से भरा ट्रक (बीआर 56 जी 4297) बिहार जा रहा है, जिसे बिहार चुनाव में खपाने की तैयारी थी। इसके बाद कोडरमा एसपी के द्वारा गठित टीम ने मेघातरी चेक पोस्ट पर चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान उक्त वाहन को देखा गया, ट्रक की जांच हुई तो ट्रक में भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब पाई गई।

उक्त वाहन को जब्त करते हुए चालक को हिरासत में लेकर कोडरमा थाना लाया गया। एसपी सिंह ने बताया कि यह कर्रवाई बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए हुई है।

खड़गे और राहुल से गठबंधन पर बात करेंगे उद्धव

मुंबई, 10 नवंबर। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनाव में गठबंधन के लिए कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से बातचीत कर सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, उद्धव ठाकरे आगामी दो दिसंबर से शुरू होने वाले स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस के नेतृत्व वाले महा विकास अघाड़ी (एमवीए) और राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के बीच गठबंधन की बात कर सकते हैं। इस बीच वरिष्ठ कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने सोमवार को मीडियाकर्मियों से कहा कि उनकी पार्टी बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव अपने दम पर लड़ेगी। हालांकि यह भी कहा कि अगर समान विचारधारा वाली पार्टियों की ओर से कोई प्रस्ताव आता है, तो उस पर विचार किया जायेगा।

राजस्थान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि सभी आवश्यक एहतियाती कदम उठाए जाएं।

उन्होंने कहा है कि कमांड सेंटर के सीसीटीवी कैमरों की निगरानी पूरी तरह से की जाए ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि का तुरंत पता लगाया जा सके। सोशल मीडिया मॉनिटरिंग टीमों को भी किसी भी तरह की भ्रामक या गलत सूचना का तुरंत खंडन करने के लिए अलर्ट किया जाए। उन्होंने समस्त रेंज आईजीपी एवं पुलिस आयुक्त को उपरोक्तानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को निर्देशित किया है।

'रूस परमाणु परीक्षण प्रतिबंधों का उल्लंघन नहीं करेगा'

- रूस के प्रवक्ता ने कहा कि यदि किसी अन्य देश ने परीक्षण किया तो रूस भी परीक्षण करेगा।

मास्को, 10 नवंबर। रूस ने हाल ही में ब्यूरवेस्टनिक मिसाइल और पोसाइडन ड्रोन के परीक्षणों पर चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि इनमें परमाणु विस्फोट जैसी कोई बात नहीं थी।

रूसी राष्ट्रपति कार्यालय के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा है कि रूस का परमाणु परीक्षणों पर प्रतिबंध लगाने वाले अंतरराष्ट्रीय समझौतों का उल्लंघन करने का कोई इरादा नहीं है। हमें अपने दायित्वों का पता है, लेकिन अगर अन्य देश ऐसा करते हैं तो वह परीक्षण फिर से शुरू कर देगा। पेस्कोव पिछले हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा पेंटागन को परमाणु परीक्षण फिर से शुरू करने के लिए तैयार रहने के निर्देश देने के बाद उठे विवाद पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। ट्रंप ने रूस और चीन पर ''गुप्त'' परमाणु परीक्षण करने का आरोप लगाया था, जिसे दोनों देशों ने खारिज कर दिया है।

स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बाद में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि के प्रति रूस की प्रतिबद्धता की पुष्टि की, लेकिन चेतावनी दी कि अगर अमेरिका या अन्य देश परीक्षण फिर से शुरू करते हैं, तो रूस ''उचित जवाबी कार्रवाई'' करेगा। कुछ पश्चिमी मीडिया ने उनकी टिप्पणी को परीक्षणों की तैयारी के आदेश के रूप में गलत समझा। पेस्कोव ने रविवार को पत्रकार पावेल ज़ारुबिन के साथ प्रसारित एक साक्षात्कार में कहा, ''पुतिन ने बार-बार कहा है कि रूस अपने परमाणु परीक्षण प्रतिबंध दायित्वों के प्रति प्रतिबद्ध है और हमारा उनका उल्लंघन करने का कोई इरादा नहीं है।''

बी.बी.सी. के सी.ई.ओ. व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बीबीसी के ''पैनोरमा'' कार्यक्रम के लिए संपादित किया गया था। ट्रंप के भाषण के दो हिस्से इस तरह संपादित गए कि ऐसा लगा जैसे वह भीड़ को हिंसा के लिए उकसा रहे हों।

ट्रंप ने बाद में आरोप लगाया कि उन्होंने तो इसके विपरीत, घिरे हुए कैपिटल हिल में मौजूद बहादुर वीरों की प्रशंसा की थी। इस घटना के बाद से ही ट्रंप बीबीसी को ''फेक न्यूज़'' फैलाने वाला संगठन कहने लगे। यहाँ तक कि वाइट हाउस के प्रवक्ता ने भी ऐसी टिप्पणी की।

पूरा हंगामा तब सामने आया जब बीबीसी के पूर्व सलाहकार माइकल प्रेस्कॉट का एक आंतरिक ज्ञापन मीडिया में लीक हुआ। यह दस्तावेज ब्रिटेन के अख़बार ''द टेलीग्राफ'' में प्रकाशित हुआ, जिसके बाद बीबीसी में तूफान मच गया। बीबीसी के महानिदेशक और समाचार प्रमुख, दोनों ने ज़िम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे दिया।

माना जा रहा है कि यह विवाद शायद जल्द ही थम जाता, अगर यह ट्रंप के वाइट हाउस से नहीं उठा होता।

सच्चाई यह थी कि पैनोरमा कार्यक्रम का प्रसारण बी.बी.सी. की आंतरिक टीम ने नहीं, बल्कि एक बाहरी टीम ने तैयार किया था। लेकिन इससे संस्था की निष्पक्ष और सच्ची रिपोर्टिंग की ज़िम्मेदारी खत्म नहीं हो जाती। बीबीसी के चेयरमैन समीर शाह ने स्वीकार किया कि यह संगठन की गलती थी।

- इस रिपोर्ट पर कोई कार्यवाही नहीं हुई थी अभी तक, अतः दोनों मुख्य अधिकारियों ने इस प्रकरण में अपनी जिम्मेदारी मानते हुए इस्तीफा दे दिया।

साथ ही, एक इतने बड़े समाचार संगठन में, जो हर दिन दुनिया भर के विषयों पर कार्यक्रम प्रसारित करता है, कभी-कभी निर्णय में कुछ गलतियाँ हो सकती हैं। लेकिन इस गलती का फायदा उठाते हुए ब्रिटेन के दक्षिणपंथी मीडिया, और उससे भी आगे अमेरिका के अतिदक्षिणपंथी मीडिया संस्थानों ने बी.बी.सी. पर ''पक्षपातपूर्ण रिपोर्टिंग'' का आरोप लगाना शुरू कर दिया।

इस विवाद के संदर्भ में, दक्षिणपंथी समूहों ने बी.बी.सी. के समाचारों और कार्यक्रमों पर अन्य आरोप भी लगाए और कहा कि संस्था इज़रायल के खिलाफ पक्षपातपूर्ण रूख रखती है और गाज़ा युद्ध की रिपोर्टिंग में पक्षपाती रही है। कई लोगों ने बी.बी.सी. पर ''यहूदी विरोधी'' रुख अपनाने के आरोप भी लगाए।

तथापि, बीबीसी के चेयरमैन और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने इन आरोपों का कड़ा खंडन किया है। उनका कहना है कि संस्था में कोई संस्थागत पूर्वाग्रह नहीं है और उसने हमेशा अपने दर्शकों को निष्पक्ष खबरें देने की कोशिश की है। तथापि, संस्था के वरिष्ठ अधिकारियों ने यह ज़रूर स्वीकार किया कि ''पैनोरमा'' प्रसारण के बाद कार्यवाही की जानी चाहिए थी, जो नहीं की गई।

तथापि, पूरी घटना यह दर्शाती है कि बी.बी.सी. ने हर बार अमेरिका की नाराज़गी के आगे झुकने की प्रवृत्ति दिखाई है।

ट्रंप प्रशासन की ओर से बी.बी.सी. पर, उसकी निष्पक्षता और भरोसेमंद समाचारों का स्रोत होने पर लगाए गए गंभीर आरोपों के खिलाफ संस्था ने अपने बचाव में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। जिस तरह यह मामला संभाला गया और जिस तीव्रता से संस्था पर हमले हुए उससे यह आभास होता है कि बी.बी.सी. ने वाइट हाउस में बैठे, अस्थिर स्वभाव वाले अमेरिकी राष्ट्रपति और उनके समर्थकों को शांत करने का प्रयास किया है।

चाँदी के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बदमाश बाइक पर ही तिजोरी रख कर फरार हो गए। वहीं तीसरा आरोपी मौके से पैदल फरार हो गया।

तिरुपति मंदिर को नकली घी बेचने वाला दिल्ली का व्यापारी गिरफ्तार

पाम ऑयल से नकली घी बनाने के कैमिकल्स यह व्यापारी सप्लाई करता था

- जांचकर्ताओं ने व्यापारी के वित्तीय रिकॉर्ड व पत्राचार को जब्त किया, जिनसे उसका कैमिकल्स सप्लाई करना साबित होता है।

नई दिल्ली, 10 नवंबर। तिरुपति के प्रसिद्ध लड्डुओं में मिलावट का बड़ा खुलासा हुआ है। स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने दिल्ली के केमिकल व्यापारी अजय कुमार सुगंधा को गिरफ्तार किया है। उस पर आरोप है कि वह कई सालों से भोलेबाबा डेयरी के निदेशकों, पोमिल जैन और विपिन जैन के साथ मिलकर नकली घी बनाने के लिए केमिकल सप्लाई कर रहा था। यह नकली घी तिरुपति के लड्डुओं में इस्तेमाल होता था।

एसआईटी के अधिकारियों ने बताया कि अजय कुमार करीब 7 साल से भोलेबाबा डेयरी को मोनो-ग्लिसराइड्स, एसिटिक एसिड और एस्टर जैसे केमिकल दे रहा था। ये केमिकल पाम ऑयल को असली घी जैसा दिखाने के लिए इस्तेमाल होते थे। पाम ऑयल एक वनस्पति तेल है, जो ताड़ के फल से बनता है। इन केमिकल्स को मिलाकर पाम ऑयल को इस तरह तैयार किया जाता था कि वह असली डेयरी घी जैसा दिखे। ये केमिकल दक्षिण कोरिया से इंपोर्ट किए जाते थे और दिल्ली के एक नेटवर्क के जरिए बांटे जाते थे। अजय कुमार अपनी कंपनी के नाम पर ये केमिकल खरीदकर डेयरी की प्रोडक्शन यूनिट्स तक पहुंचाता था।

जांचकर्ताओं का कहना है कि पाम ऑयल में इन केमिकल्स को मिलाकर नकली घी बनाया जाता था। इस नकली घी को वैष्णवी और एआर डेयरी जैसे ब्रांड नामों से बेचा जाता था। फिर इस नकली घी को तिरुपति के पवित्र लड्डुओं में इस्तेमाल किया जाता था।

एसआईटी की जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि तिरुपति के लड्डुओं में इस्तेमाल होने वाले घी में पाम ऑयल और केमिकल एडिटिव्स मिले हुए थे। फोरेंसिक टीमों की लैब जांच में भी यही बात सामने आई है। लैब जांच में पता चला है कि असली डेयरी घी में ऐसे सिंथेटिक कंपाउंड्स नहीं होते। यह मामला कई राज्यों में फैले सप्लाई चेन फ्रॉड की ओर इशारा करता है। अजय कुमार को तीन दिन पहले दिल्ली से पकड़ा गया था। इसके बाद उसे पूछताछ के लिए तिरुपति स्थित एसआईटी ऑफिस लाया गया। जांचकर्ताओं ने उसके वित्तीय रिकॉर्ड और पत्राचार को जब्त किया है। ये रिकॉर्ड उसे केमिकल सप्लाई से जोड़ने का दावा करते हैं। एसआईटी इस मिलावट रैकेट में शामिल अन्य सप्लायर्स और फाइनेंसरों का पता लगाने में जुटी है। सप्लायर्स वे लोग होते हैं जो सामान पहुंचाते हैं, और फाइनेंसर वे होते हैं जो इस धंधे के लिए पैसा लगाते हैं। इस मामले ने भारत के सबसे पवित्र मंदिरों में से एक में गुणवत्ता नियंत्रण और धार्मिक खाद्य पदार्थों की पवित्रता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908